उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 09 नवम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–04(11/35)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने गुरूवार को जी.एम.एस. रोड स्थित उज्ज्वल, महारानी बाग में यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में यू0जे0वी0एन0एल0 द्वारा राज्य सरकार को लाभांश के रूप में 22 करोड़ रूपये का चैक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने यू0जे0वि0एन0एल0 कर्मियों को पुरस्कार स्वरूप इन्सेंटिव की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने राज्य स्थापना के 17 वर्ष पूर्ण होने पर उपस्थित लोगों को बधाई दी। इस अवसर पर उन्होने राज्य आन्दोलन के लिए बलिदान देने वाले आन्दोलनकारियों का स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 17 सालों में उत्तराखण्ड तेजी से विकास के पथ पर बढ़ा है। राज्य के सर्वागीण विकास के लिए राज्य सरकार तेजी से अग्रसर है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि सरकार के 100 दिन पूर्ण होने पर विद्यार्थियों, किसानों एवं अध्यापकों से संवाद किया गया। आज तकनीक के युग में जनसंवाद कर जनसमस्याओं के निस्तारण में तेजी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ऋषिपर्णा एवं कोसी नदी को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए जनसहयोग जरूरी है। उन्होने कहा कि रिस्पना के पुनर्जीविकरण का कार्य जन सहयोग से करेगी। रिस्पना नदी में जितने भी वृक्षारोपण होगा वह कार्य एक दिन में पूरा किया जायेगा।

इस अवसर पर इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भट्ट भी उपस्थित थे।

देहरादून 09 नवम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–04(11/35)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने गुरूवार को पवेलियन ग्राउण्ड देहरादून में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि राज्य स्थापना के बाद लोक संस्कृति एवं लोक कला की महत्ता को लोगों ने समझा और इसको बढ़ावा भी दिया है। उन्होंने कहा कि कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में लोगों में अपनत्व का भाव जगा है। उत्तराखण्ड की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संस्कृति ग्राम बनाने का निर्णय लिया गया है। जिससे एक की स्थान पर उत्तराखण्ड की सम्पूर्ण संस्कृति, विभिन्न शैलियां, खान–पान, पहनावा, धरोहर की झलक देखने को मिले। इस अवसर पर उत्तराखण्ड की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय लोगों को उत्तराखण्ड के वाद्य यंत्र ढ़ोल, दमाऊ एवं हारमोनियम वितरित किये गये।

कार्यक्रम में उत्तराखण्ड संस्कृति विभाग के कलाकारों ने गढ़वाली, कुंमाऊनी, जौनसारी लोक गायन एवं लोक नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुति दी। इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्री धन सिंह रावत, विधायक श्री खजानदास, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भट्ट, सचिव संस्कृति श्री दिलीप जावलकर आदि उपस्थित थे।

इसके उपरान्त मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने परेड ग्राउण्ड में अमर उजाला द्वारा आयोजित उत्तराखण्ड उदय–2017 कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर दीप प्रज्ज्वलन किया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर अमर उजाला ने समाज के हर वर्ग को जोड़ने का प्रयास किया। यह मुहिम राज्य के विकास एवं समृद्धि में सहयोगी की भूमिका के रूप में कार्य करेगी। इस अवसर पर प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने गानों की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री अरविन्द पाण्डे, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत, राज्य मंत्री श्रीमती रेखा आर्या, विधायक खजान दास, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भट्ट एवं स्वामी चिदानंद मुनि आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 09 नवम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–03(11/34)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने गुरूवार को कचहरी स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। ***'इस अवसर पर शहीद स्मारक पर उपस्थित लोगों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कहा कि उनके पास राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण के संबंध में विभिन्न क्षेत्रों से लोग मिलने आते है और राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की तिथि को बढ़ाये जाने की मांग करते है। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की तिथि को 31 दिसम्बर तक बढ़ाये जाने की घोषणा की है।'***

मुख्यमंत्री ने सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में भी राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शहीद राज्य आंदोलनकारियों के चित्रों पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सचिवालय कार्मिकों को कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से राज्य की सेवा करने की शपथ भी दिलाई। राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि जिन लोगों के त्याग, बलिदान और संघर्ष के परिणामस्वरूप राज्य हमको मिला है, उन्हें हम श्रद्धांजलि देते हैं। राज्य सरकार आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य का विकास करने को प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहाँ सकारात्मक सोच होगी, वहाँ कोई समस्या ही नहीं होगी। हम सबको एकात्म भाव को अपनाना होगा। किसी भी अधिकारी या कर्मचारी में कोई अंतर नहीं है। राज्य के विकास के लिए छोटे से लेकर बड़े तक प्रत्येक अधिकारी–कर्मचारी की समान जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारे आई.ए.एस. अधिकारी जब विद्यालयों में गए, उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद किया तो अधिकारियों **'को'** वस्तुस्थिति का ज्ञान हुआ होगा। इससे आगे की योजनाएं बनाने में सहायता मिलेगी, साथ ही इससे बच्चों में भी आत्मविश्वास जागेगा कि एक दिन हम भी बड़े अधिकारी बन सकते हैं। उन्होंने सचिवालय कर्मियों को पूर्ण ईमानदारी से कार्य करने और भ्रष्टाचार का समूल नाश करने हेतु आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया जाए तो विकास स्वयं ही हो जाएगा। सचिवालय, राज्यरूपी शरीर का हृदय है, राज्य के विकास के लिए हमें लगातार धड़कते रहना है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भट्ट भी उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 09 नवम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–02(11/33)

राज्यपाल डॉ.के.के. पाल और मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने रैतिक परेड में प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई दी।

पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक व पुलिस पदक से अलंकृत किया गया।

राज्य स्थापना दिवस पर राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने पुलिस लाईन में आयोजित रैतिक परेड़ की सलामी ली। राज्यपाल ने सराहनीय कार्य करने पर पुलिस अधिकारियों व पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक व पुलिस पदक से सम्मानित किया। राज्यपाल डॉ. के.के.पाल व मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा प्रकाशित पत्रिका का भी विमोचन किया। **मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए सभी अधिकारियों–कर्मचारियों और आमजन से प्रदेश के विकास हेतु समर्पित होकर काम करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने परेड में प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक कर्मी हेतु रू.1000 तथा महिला आरक्षियों के पाइप बैण्ड की प्रत्येक प्रतिभागी हेतु रू.5000 की प्रोत्साहन राशि की घोषणा भी की।**

इस अवसर पर राज्यपाल डॉ.कृष्ण कांत पाल ने राज्य निर्माण के सभी ज्ञात–अज्ञात, अमर शहीदों व आंदोलनकारियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए राज्यवासियों को राज्य स्थापना के 17 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। राज्य स्थापना दिवस पर शानदार परेड़ के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि शांति व कानून व्यवस्था, प्रत्येक सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। प्रदेश का विकास मूलरूप से वहां की कानून व्यवस्था पर निर्भर करता है। इसमें पुलिस की अहम भूमिका होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी राज्य की कानून व शान्ति व्यवस्था को बनाये रखने के अपने वायदे को निभाते हुए पुलिस, राज्य के समग्र विकास में सबसे मजबूत कड़ी के रूप में भी अपनी भूमिका निभाती रहेगी। उत्तराखण्ड में दूसरे राज्यों की तुलना में अपराध बहुत कम हैं। इसके लिए राज्य के शांतिप्रिय व सरल हृदय नागरिक बधाई के पात्र हैं।

राज्यपाल ने कहा कि विगत 17 वर्षों में उत्तराखण्ड ने अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। बार–बार प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद उत्तराखण्ड वासियों की दृढ़ संकल्प शक्ति से राज्य ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। आज उत्तराखण्ड देश के अग्रणी राज्यों में शुमार हो चुका है। इन वर्षों में हमने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, तो बहुत सी चुनौतियां भी हैं। जीडीपी व प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि का लाभ गरीबों, वंचितों, किसानों तक पहुंचाना है। सच्चे मायनों में विकास के लिए शहर–गांव, उद्योग–खेती के बीच के गैप को दूर करना होगा। इस दिशा में सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण पहलें की हैं। पहाड़ के गांवों को आर्थिक दृष्टि से उन्नत बनाने के लिए समर्पित प्रयासों की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नए भारत के निर्माण के लिए मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजीटल इंडिया, स्वच्छ भारत व नमामि गंगा के माध्यम से जन–अभियान प्रारम्भ किया है। खुशी की बात है कि नए प्रगतिशील भारत में उत्तराखण्ड बढ़–चढ़कर अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहा है। वर्ष 2019 तक पूर्ण साक्षरता, वर्ष 2022 तक सबको आवास व किसानों की आय दुगुनी करने का लक्ष्य पूरा करने में, उत्तराखण्ड अग्रणी राज्यों में रहेगा। डिजीटल उत्तराखण्ड के तहत ई–गर्वनेंस के लिए देवभूमि जनसेवा व ई–डिस्ट्रिक्ट सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। सार्वजनिक

वितरण प्रणाली का भी पूर्ण कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। सभी पी.डी.एस. की दुकानों पर कैश लैस भुगतान के लिए पी.ओ. एस. मशीन स्थापित की जा रही हैं।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड की पहचान देश–दुनिया में देवभूमि के रूप में है। हमें इस पहचान को बनाए रखना है। महत्वाकांक्षी नमामि गंगे अभियान की सफलता उत्तराखण्ड की सक्रिय भूमिका के बिना सोची भी नहीं जा सकती है। राज्य में स्वच्छता अभियान की पहल को भारत सरकार द्वारा बेस्ट प्रेक्टीसेज का दर्जा दिया गया है। राज्य सरकार ने मार्च 2018 तक सभी नगर क्षेत्रों को भी ओ.डी.एफ. बनाने का लक्ष्य रखा है। हम सभी को सभ्य नागरिक की जिम्मेवारी को समझते हुए इसमें भागीदारी निभानी होगी।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य में हमारे सामने बड़ी चुनौती, दुर्गम व दूर–दराज के इलाकों में बुनियादी सुविधाओं का विकास करना है। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्वतीय खेती पर फोकस करना होगा। राज्य सरकार गम्भीरता से इस दिशा में काम कर रही है। पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण विकास व पलायन आयोग का गठन करते हुए इसका मुख्यालय पौड़ी में स्थापित किया गया है। नीतिगत निर्णय लेते हुए मैदानी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में डॉक्टर पर्वतीय क्षेत्रों में नियुक्त किए गए हैं। किफायती दाम पर दवा उपलब्ध करवाने के लिए 100 जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। टेली–मेडिसिन व टेली–रेडियोलॉजी का प्रयास किया जा रहा है। नए चिकित्सकों की नियुक्ति करने के लिए भी हर सम्भव कोशिश की जा रही है। शिशु तथा मातृत्व मृत्युदर को न्यूनतम करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी हो, जो छात्रों को प्रेक्टीकल नोलेज दे और उनमें स्किल डेवलपमेंट करे। विश्वविद्यालयों में ज्ञान के सृजन के लिए उच्च स्तरीय व मौलिक रिसर्च को प्रोत्साहित करना होगा। हमें विशेष प्रयास करना होगा ताकि हमारे शिक्षण संस्थान, क्वालिटी एजुकेशन व स्पोर्ट्स के सेंटर बन सकें। परंतु सबसे पहले स्कूली स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए अत्यधिक प्रयास की आवश्यकता है। अगर स्कूल में बुनियाद पक्की बन रही है तो बच्चे आगे भी कामयाब रहेंगे।

राज्यपाल ने उत्तराखण्ड के युवाओं को प्रतिभावान बताते हुए उनसे राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन, डिजीटल इंडिया, स्किल डेवलेपमेंट, स्टार्ट अप व मेक इन इंडिया कार्यक्रमों से जुड़कर देश के विकास में अपने सामर्थ्य व प्रतिभा का उपयोग करने का आह्वान किया। उत्तराखण्ड देवभूमि होने के साथ ही वीर भूमि भी है। प्रत्येक विश्वविद्यालय में अमर शहीदों को समर्पित 'Wall of Valour' बनाई गई हैं ताकि हमारे युवाओं को प्रेरणा मिले।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा चारधाम ऑल वेदर रोड़ का शिलान्यास करने के बाद से काम में तेज़ी आयी है व ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल प्रोजेक्ट पर काम प्रारम्भ होने जा रहा है। चार धाम रेल सम्पर्क योजना से न केवल उत्तराखण्डवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी बल्कि पर्यटन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। महामहिम राष्ट्रपति जी व प्रधानमंत्री जी के श्री बदरीनाथ व श्री केदारनाथ धाम आगमन से दुनिया में सुरक्षित उत्तराखण्ड का सकारात्मक संदेश गया । परिणामस्वरूप इस वर्ष रिकार्ड संख्या में श्रद्धालु चार धाम व श्री हेमकुण्ड साहिब यात्रा पर आए। प्रधानमंत्री जी की 20 अक्टूबर को केदारनाथ धाम में की गई घोषणाओं का भी बहुत सकारात्मक प्रभाव हो रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व सम्मानित जीवन जीने का अधिकार होता है। इन्हीं अधिकारों के सपनों को लेकर अलग उत्तराखण्ड राज्य के लिए संघर्ष किया गया था। अगर हम सभी ईमानदारी से कोशिश करें तो अवश्य ही एक ऐसा उत्तराखण्ड बनाने में सफल होंगे जहां सभी की बुनियादी जरूरतें पूरी होंगी, सभी को आगे बढ़ने के तमाम अवसर और साधन उपलब्ध होंगे।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शहीद राज्य आन्दोलनकारियों को नमन् करते हुए प्रदेशवासियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शुचिता, पारदर्शिता व श्रेष्ठता के आधार पर कार्य कर रही है। राज्य के हित में अनेक पहले की गई है जिनका आने वाले समय में अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा। बेहतरीन परेड के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने में उत्तराखण्ड पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य के सभी अधिकारी व कर्मचारी राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।

कार्यक्रम में राज्यपाल द्वारा पुलिस महानिरीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री गोपालनाथ गोस्वामी, पुलिस उपाधीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री जगदीश चन्द्र आर्य, पुलिस उपाधीक्षक श्री हीरा सिंह रौथाण एवं पुलिस उपाधीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री रमेश चन्द्र जोशी को **राष्ट्रपति का पुलिस पदक** और पुलिस अधीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री विजय सिंह कार्की, पुलिस उपाधीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री प्रताप सिंह पांगती, पुलिस उपाधीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री भुवन चन्द्र पाण्डे, पुलिस उपाधीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री राजेन्द्र सिंह हयांकी, रेडियो निरीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री ईश्वरी लाल टम्टा, पी.सी.वी.श्रे. चालक श्री जीत सिंह, हे.का. वि.श्रे. चालक श्री गणेश राम, जनपद पौडी(सेवानिवृत्त) श्री बचन सिंह राणा, निरीक्षक ना.पु.(सेवानिवृत्त) श्री गणेश प्रसाद बौठियाल, पी.सी.वि.श्रे.(सेवानिवृत्त) श्री केशी प्रसाद, अपर राज्य रेडियो अधिकारी श्री गिरजा शंकर पाण्डे, निरी.अभि.(सेवानिवृत्त) श्री हीरामणि ध्यानी, निरी. आरमोरर(सेवानिवृत्त) श्री उपेन्द्र दत्त, उ.नि. एमटी(सेवानिवृत्त) श्री चन्द्र दत्त जोशी, उ.नि.वि.श्रे.(सेवानिवृत्त) श्री हरराज सिंह, पुलिस उपाधीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री देवेन्द्र सिंह रावत, पुलिस उपाधीक्षक(सेवानिवृत्त) श्री भूपाल सिंह रावत, उ.नि.एमटी(सेवानिवृत्त) श्री केशवराम टम्टा, पी.सी.वि.श्रे.(सेवानिवृत्त) श्री नारायण दत्त एवं उ.नि.स.पु.(सेवानिवृत्त) श्री देवेन्द्र लाल को **पुलिस पदक** से अलंकृत किया गया।

रैतिक परेड़ की प्रथम कमाण्ड वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता कुकरेती, द्वितीय कमाण्ड सहायक पुलिस अधीक्षक श्री लाकेश्वर कुमार द्वारा की गई। जबकि पुलिस उपाधीक्षक श्री अभय सिंह परेड़ एडजुटेन्ट थे। पुलिस अधीक्षक श्री अमित श्रीवास्तव और श्रीमती श्वेता चौबे द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री सुबोध उनियाल, खेल मंत्री श्री अरविंद पाण्डे, उच्च शिक्षा मंत्री श्री धन सिंह रावत, महिला कल्याण मंत्री श्रीमती रेखा आर्या, सांसद श्रीमती माला राजलक्ष्मी शाह, मेयर श्री विनोद चमोली, विधायकगण, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, अन्य अधिकारी व गणमान्य उपस्थित थे।

(राजभवन सूचना परिसर से जारी प्रेस विज्ञप्ति को सम्मिलित करते हुए)

देहरादून 09 नवम्बर, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–01(11/32)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने गुरूवार को सूचना भवन में आयोजित समारोह में सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग की विकास पुस्तिका ''संकल्प से सिद्धि तक.....'' का विमोचन किया। राज्य स्थापना दिवस की 17वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने सहकारिता विभाग द्वारा संचालित 'दीन दयाल उपाध्याय किसान कल्याण योजना' का देहरादून में शुभारम्भ करते हुए किसानों को स्वीकृत ऋण के चेक भी वितरित किये। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2016–17 हेतु देवभूमि उत्तराखण्ड खेल रत्न पुरस्कार और देवभूमि उत्तराखण्ड द्रोणाचार्य पुरस्कार भी प्रदान किये। खेल रत्न पुरस्कार प्रसिद्ध महिला अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एकता बिष्ट तथा द्रोणाचार्य पुरस्कार उनके कोच लियाकल अली को प्रदान किया गया। सुश्री एकता बिष्ट की अनुपस्थिति में उनके माता–पिता ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। इसी कार्यक्रम में ईको टास्क फार्स के शहीदों की पत्नियों, श्रीमती चन्द्रकला नेगी पत्नी स्व.राइफलमैन बिक्रम सिंह नेगी तथा श्रीमती राजेश्वरी देवी पत्नी स्व.राइफलमैन धर्मसिंह रावत को भी मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड जल संस्थान के अधिशासी अभियंता श्री विनोद चन्द रमोला को उनके दायित्वों के कुशल निर्वहन हेतु उनके विभाग द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना की 17वीं वर्षगाठ की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि राज्य के किसानों की आय दोगुनी करने के लिए सरकार प्रयासरत् है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसान भाईयों से हमने वादा किया था कि उनको सरकार द्वारा सस्ती ब्याज दर में ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसलिये दीन दयाल उपाध्याय किसान कल्याण योजना प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री ने राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरकार आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा पिछले 7 माह में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2022 तक देश के प्रत्येक नागरिक को आवास और भोजन उपलब्ध कराने का फैसला किया है। राज्य सरकार भी इसके लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए उज्जवला योजना से वंचित लोगों को, जिनकी वार्षिक आय 2 लाख 50 हजार से कम है और जिन्हें गैस कनेक्शन नहीं मिल पाया, उनको राज्य सरकार की ओर से निशुल्क गैस कनेक्शन दिया जाएगा, इसका आदेश जारी किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देश को स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी देता है। उत्तराखण्ड की नदियाँ सूखती जा रही हैं। इसके लिए सरकार राज्य की 2 नदियों देहरादून में रिस्पना और अल्मोड़ा में कोसी नदी को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए जन सहयोग की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ''जल पुरूष श्री राजेन्द्र सिंह जी से बात करके मुझे एहसास हुआ कि नदियों को पुनर्जीवित करना इतना कठिन भी नहीं जितना मुझे लग रहा था।''

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि किसानों को उर्वरक में डी.बी.टी. की शुरूवात की जा चुकी है। पहले 5 राज्यों में इसकी शुरूवात की गयी है, जिसमें उत्तराखण्ड भी शामिल है। इस पारदर्शी व्यवस्था के तहत किसानों को रेट और सब्सिडी की जानकारी मिल जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि राज्य की जीडीपी में कृषि का योगदान घटा है। हम नई तकनीकों का इस्तेमाल करके, सिर्फ परम्परागत खेती को न, करके नई चीजों को इसमें शामिल करके अपनी खेती को बढ़ा सकते हैं। हमें जीडीपी में कृषि के योगदान को बढ़ाना होगा।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि पलायन विकास के लिए भी हुआ है, लेकिन जो पलायन मजबूरी के कारण हुआ है, उसके लिए पलायन आयोग का गठन किया गया है। राज्य सरकार ने राज्य की 670 न्याय पंचायतों को ग्रोथ सेंटर के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिरूल से बायोफ्यूल बनाने की योजना है। पिरूल से तारपीन का तेल और इंडस्ट्रीयल डीजल बनाया जाएगा। स्थानीय लोगों को 5 से 7 रूपये प्रति किलो पिरूल का मूल्य दिया जाएगा जिससे लोगों को आमदनी होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खुले में शौच से मुक्त होकर उत्तराखण्ड देश का चौथा राज्य बन गया है। सरकार राज्य के शहरी क्षेत्र को भी मार्च 2018 तक खुले में शौच से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में 5 करोड़ तक के कार्य राज्य के स्थायी निवासियों हेतु आरक्षित दिये गये हैं। साथ ही 5 मेगावाट तक के सौर विद्युत प्रोजेक्ट्स को भी राज्य के स्थायी निवासियों के लिए आरक्षित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में चिकित्सा व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए सेना के डॉक्टर्स और अन्य राज्यों से भी डॉक्टर्स का आवेदन मांगा गया है। राज्य में टेलीरेडियोलॉजी की भी शुरूवात की जा रही है। राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में संचार व्यवस्थाओं को पहुंचाने के लिए बैलून टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा। चमोली के सीमांत गाँव से इसकी शुरूवात की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देवभूमि उत्तराखण्ड को चारधाम आल वेदर रोड का तोहफा दिया गया है। 12 हजार करोड़ के इस प्रोजेक्ट को 4 हजार करोड़ रूपए जारी किया जा चुका है। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल प्रोजेक्ट का कार्य भी प्रारम्भ हो गया है।

सूचना महानिदेशक डॉ.पंकज कुमार पाण्डेय ने बताया कि संकल्प से सिद्धि तक..... न रूकेंगे न थकेंगे, बस आगे ही बढ़ेंगे, विकास पुस्तिका का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी आम जनमानस तक पहुंचाना है। विकास पुस्तिका की मुख्य थीम गुड गवर्नेंस और जीरो टालरेंस ऑन करप्शन पर फोकस की गई है। कार्यक्रम का मंच संचालन अपर निदेशक सूचना डॉ.अनिल चंदोला ने किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री मदन कौशिक, श्री अरविंद पाण्डेय, राज्य मंत्री(स्व.प्रभा.) डॉ.धन सिंह रावत, सचिव सूचना श्री चन्द्रशेखर भट्ट, सचिव खेल डॉ.भूपिन्दर कौर औलख सहित विभिन्न गणमान्य अतिथि, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।